© 2023 IJNRD | Volume 8, Issue 10 October 2023 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# “माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन”

रवीन्द्र नाथ यादव
शोध छात्र
बी.एड.विभाग
शिब्ली नेशनल कॉलेज आजमगढ़ (उ.प्र.)

डॉ मोहम्मद ज़ाहिद
बी.एड.विभाग
शिब्ली नेशनल कॉलेजआजमगढ़ (उ.प्र.)

## सारांश

प्रस्तुत शोध में माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है इस शोध का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन करना है।शोध में न्यादर्श हेतु लखनऊ जनपद के लखनऊ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के 68 विद्यालयों से 400 शिक्षक में से (200) शिक्षक तथा शिक्षिकाओं (200) का चयन किया गया है, न्यादर्श चयन में स्तरीकृत न्यादर्श विधि का प्रयोग किया गया है।NEP 2020 में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राध्यापको के स्वतंत्र चिंतन व स्व अधिगम क्षमता के विकास पर प्रमुख जोर दिया। सर्वोत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों को निर्मित करने में अध्यापकों की अध्यापन दक्षता का महत्वपूर्ण योगदान होता है ऐसे संस्थानों की गुणवत्ता शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से निर्धारित होती है जिससे आकृष्ट होकर छात्र ऐसे संस्थानों में प्रवेश लेने के इच्छुक होते हैं। शिक्षक की अध्यापन दक्षता ही छात्र की रचनात्मकता को पोषित करती है। शिक्षक अपने अध्यापन को प्रभावी, रुचिकर तथा उत्तम बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण युक्तियों तथा विधियों का प्रयोग करता है जो शिक्षक की अध्यापन दक्षता की पुष्टि करती है। प्रस्तुत शोध में ग्रामीण एवं शहरी शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता में सार्थक भिन्नता है, परंतु शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता में सार्थक भिन्नता है, परन्तु शिक्षक तथा शिक्षिकाओं के मध्य कोई सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी है

**मुख्य बिंदु:** माध्यमिक विद्यालय, शहरी शिक्षक तथा शिक्षिकाएं, तथा ग्रामीण शिक्षक तथा शिक्षिकाएं, अध्यापन दक्षता

## प्रस्तावना

राष्ट्रीय विकास को तीव्रता प्रदान करने में शिक्षा एक सशक्त माध्यम है □व्यापक अर्थों में शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है □जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास कर उसके ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है इस संपूर्ण प्रक्रिया में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान है जो बालक को अपने शिक्षण द्वारा सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाता है। अतः शिक्षक को कार्य कुशल होना अत्यंत आवश्यक है, शिक्षक को कार्यकुशलता से अभिप्राय उसकी अध्यापन दक्षता से है□ किसी भी संस्थान में शिक्षा की गुणवत्ता का निर्धारक शिक्षक की दक्षता ही होती है शिक्षक के अध्यापन दक्षता का प्रभाव राष्ट्र के निर्माण में निर्णायक होता है एक स्वस्थ समाज के लिए गुणात्मक शिक्षा अपनी प्रभावी भूमिका को निर्वहन करती है□

वर्तमान समय में 'गुणात्मक शिक्षा' शब्द का प्रयोग अधिकाधिक होने लगा है, तो यह गुणात्मकता है क्या। गुणात्मक शिक्षा का तात्पर्य शिक्षक की उच्च दक्षता से है जो उसके अध्यापन की प्रभावशीलता में झलकती है जो शिक्षक जितना अधिक दक्ष होगा उसका अध्यापन उतना अधिक प्रभावशाली होगा और जो शिक्षा की गुणवत्ता का निर्धारक **होता है**□

गुणात्मक शिक्षा का अभिप्राय उस शिक्षा से है जो प्रत्येक बालक के काम आए, जो बालकों की अंतर्निहित क्षमताओं का विकास कर उनके ज्ञान को उपयोगी बनाएं।

वर्तमान युग तकनीकी युग है □आज मानव जीवन का हर पक्ष तकनीकी से प्रभावित है। शिक्षा उद्योग ,कृषि, यातायात ,व्यापार आदि कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं जिसमें तकनीकी का प्रयोग न होता हो। शिक्षा क्षेत्र में भी तकनीकी का प्रयोग बहुतायत हो रहा है□ ऐसी परिस्थिति में शिक्षक को दक्ष होना अत्यंत आवश्यक हो जाता है□

शिक्षक की अध्यापन दक्षता का विकास करने के लिए NEP 2020 ने शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण प्रशिक्षण को प्रासंगिक एवं व्यवहारिक बनाने पर मुख्य जोर दिया, जिससे शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का विकास हो पाए। शिक्षा का संपूर्ण विकास शिक्षक की शिक्षण दक्षता पर निर्भर करता है □कक्षा शिक्षण, शिक्षकों और विद्यार्थियों के मध्य होने वाली अंत: क्रिया है उसे प्रभावी बनाने के लिए शिक्षण दक्षता के उन्नयन के लिए शिक्षा के प्रत्येक घटक के प्रति जागरूक होना आवश्यक है । RTE

Act (आर टी ई ऐक्ट) 2009 में भी शिक्षण दक्षता की जरूरतों पर बल दिया गया था जिसका क्रियान्वयन वर्तमान समय मे हो रहा हैं।

## कार्यात्मक परिभाषाएं

**माध्यमिक विद्यालय:** सभी कक्षा 6 से 12तक चलने वाले विद्यालय समष्टि में शामिल है

**शहरी शिक्षक व शिक्षिकाएं:** शहरी क्षेत्रों के सभी माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाएं समष्टि के अंतर्गत आते हैं

**ग्रामीण शिक्षक व शिक्षिकाएं:** ग्रामीण क्षेत्रों के सभी माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक तथा शिक्षिकाएं समष्टि के अंतर्गत आते हैं

**अध्यापन दक्षता:** किसी शिक्षक के शिक्षण कुशलताओं को ही शिक्षक कीअध्यापन दक्षता कहा जाता है। शिक्षक के अध्यापन दक्षता ही छात्र की उपलब्धियों को सुनिश्चित करती है। शिक्षक का पाठ, प्रस्तुतीकरण, प्रश्न पूछने की कला श्रव्य-दृश्य सामग्री के प्रयोग का कौशल, कक्षा प्रबंधन, पुनर्बलन, प्रेरणा, उदाहरण देने की कला आदि ही शिक्षक की शिक्षण दक्षता के प्रमुख घटक है। जो शिक्षक की अध्यापन प्रभावशीलता के निर्धारक है

शिक्षण कौशलों में प्रवीण शिक्षकों को अध्यापन दक्ष कहा जाता हैएन. एल.गेज के शब्दों में शिक्षण कौशल विशिष्ट अनुदेशात्मक क्रिया एवं प्रक्रियाएं हैं, जिन्हें शिक्षक कक्षा कक्ष में अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए उपयोग करता है। यह शिक्षण की विभिन्न अवस्थाओं से संबंधित होती है तथा ये शिक्षक के निरंतर प्रयोग में आती है

मेक इंटेयर तथा व्हाइट ने शिक्षण दक्षता की चर्चा करते हुए लिखा है,"शिक्षण कौशल शिक्षण व्यवहारों से संबंधित वह स्वरूप हैएजो कक्षा की अंतः प्रक्रिया द्वारा उन विशिष्ट परिस्थितियों को जन्म देता हैएतथा शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होती है और छात्रों में सुगमता प्रदान करती है

डॉ कुलश्रेष्ठ (1993)"यह कहा जा सकता है कि शिक्षण कौशल शिक्षण के हाथ में वह शस्त्र है। इसका प्रयोग करके शिक्षक अपने कक्षा शिक्षण को प्रभावशाली तथा सक्रिय बनाता है तथा कक्षा की अंतः प्रक्रिया में सुधार लाने का प्रयास करता है

अतः यह कहा जा सकता है कि शिक्षण दक्षता शिक्षण, शिक्षण कौशलों, प्रक्रियाओं तथा व्यवहारों से संबंधित होते हैंएजो कक्षा- शिक्षण व्यवहार की इकाई का एक समग्र प्रतिफल है। अध्यापन दक्षता शिक्षकों की शिक्षा के विशिष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होते जो शिक्षण प्रक्रिया को सरल, सुगम, व प्रभावशाली बनाते हैं। शिक्षक के अध्यापन दक्षता शिक्षण प्रक्रिया या अंत: क्रिया को सक्रिय तथा सजीव बनाता है

रमा (1979)ने कहा है "अध्यापक कि वह योग्यता जिसके द्वारा वह कक्षा शिक्षण व्यवहार के सेट के रूप में प्रकट होता हैजो पूर्व विधायक सामाजिक व्यवस्था के अंतर्गत शिक्षण के उत्पाद चरों के मध्य संवाद को परिणाम प्रदान करता है"। अर्थात् अध्यापन दक्षता के अलौकिक समस्त आपेक्षित अध्यापन व्यवहारों

द्वारा विद्यार्थियों की वांछनीय उपलब्धियों के परिणाम को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी शिक्षण कोदर्शाती है

## शोध का महत्व एवं उपयोगिता

शिक्षण प्रक्रिया में अध्यापक की दक्षता कक्षा शिक्षण में छात्रों के पाठ्यवस्तु को सीखने और समझने में सहायता करती है तथा छात्रों को सीखने के प्रति सजग और संवेदनशील बनाती है दक्ष शिक्षक शिक्षण के दौरान सभी छात्रों को क्रियाशील व शिक्षण प्रक्रिया में भागीदार बनाता है जो शिक्षण की प्रभावशीलता को बढ़ाता है जो छात्र की उत्तम उपलब्धि में सहायक होती है वर्तमान के डिजिटल युग में जहां छात्र के समक्ष डिजिटल पाठ्यवस्तु की भरमार है ऐसे में शिक्षक के अध्यापन दक्षता का होना नितांत आवश्यक हो जाता है, आज के युग में शिक्षक को परंपरागत शिक्षण से हटकर तकनीकी दक्षता हासिल करना भी आवश्यक हो गया है। निरंतर बढ़ती संभावनाओं तथा संसाधनों के कारण एक शिक्षक के उत्तरदायित्व एवं सामाजिक अपेक्षाओं के मध्य शिक्षक अपनी भूमिका का निर्वहन तभी कर सकते हैं जब उन्हें सेवा पूर्व व सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षक दक्षता बढ़ाने के पर्याप्त अवसर दिए जाएं। आज के युग में अस्पष्ट व अव्यावहारिक चिंतन में उलझे छात्रों के दृष्टिकोण को सही दिशा देने के लिए एक दक्ष अध्यापक की आवश्यकता हैजो समाज के साथ सामंजस्य बनाकर छात्रों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सहायक बन सके। यह शोध शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन करता है जिसके अंतर्गत शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन घटनाओं का अंतर उजागर कर शहरी व ग्रामीण शिक्षक की अध्यापन दक्षता की आवश्यकताओं का भी अध्ययन करता हैजिससे समाज में गुणात्मक शिक्षण के द्वारा छात्रों की उपलब्धियों को सकारात्मक दिशा प्रदान की जा सके।

## समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन

## शोध के उद्देश्य

1. शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता के मध्य अंतर का अध्ययन करना
2. ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की अध्यापन दक्षता के मध्य अंतर का अध्ययन करना

## शोध की परिकल्पनाए

$H_o^1$शिक्षकोंतथा की अध्यापन दक्षता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है

$H_o^2$ग्रामीणतथाविद्यालयों के शिक्षकों की अध्यापक दक्षता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है

## शोध का परिसीमन

समय एवं श्रम तथा संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध की निम्नलिखित सीमाएं हैं

1. प्रस्तुत शोध लखनऊ जिले में ही किया गया है जिसमें जिले के 41 ग्रामीण व 27शहरी क्षेत्र के विद्यालयों से 400 शिक्षकों का चयन किया गया है
2. इस अध्ययन को केवल माध्यमिक स्तर के T.G.T स्तर के शिक्षकों तक ही सीमित किया गया है

## न्यादर्श

इस शोध अध्ययन में लखनऊ जिलेके68 माध्यमिक विद्यालयों से 400 माध्यमिक स्तरकेशिक्षकों का चयन स्तरीकृत न्यादर्श विधि से किया गया है

## शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन से प्रदत्त संकलन हेतु डॉ बीके पासी और श्रीमती ललिता द्वारा रचित General Teaching competency Scale (GTCS-PBLM) उपकरण के माध्यम से किया गया है। जीटी स्केल में 21 शिक्षण कौशल से संबंधित इक्कीस आइटम है जो कक्षा में संपूर्ण शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को शामिल करते हैं। यह कौशल कक्षा शिक्षण के पांच प्रमुख पहलुओं से संबंधित है, अर्थात योजना, प्रस्तुति, समापन। मूल्यांकन एवं प्रबंधकीय। सभी आइटम शिक्षक छात्र संबंध के कक्षा व्यवहार पर केंद्रित है। यह परीक्षण 7 पॉइंट रेटिंग स्केल पर आधारित है जो कक्षा में शिक्षक द्वारा 1-7 तक के प्रत्येक आइटम के अनुरूप कौशल के उपयोग को मापता है। परीक्षण में कथन और प्रश्न में छात्रों की सही प्रक्रियाए (मौखिक) दी गई हैं

शिक्षण दक्षता की कल्पना विभिन्न शिक्षण कौशल के गठन के लिए की जाती है। उन कौशलों को विकसित करने के लिए विभिन्न तकनीकों का विकास किया गया है उनमें से कुछ माइक्रो टीचिंग, मिनी टीचिंग, इंटरेक्शन विश्लेषण और ऐसी अन्य व्यवहार संशोधन तकनीक है शिक्षण के विभिन्न कौशलों के वर्गीकरण से संबंधित वस्तुओं का वितरण अग्र लिखित तालिका में दिया गया है

इस परीक्षण में शिक्षण दक्षता की अवधारणा के उद्देश्यपूर्ण और विश्वसनीय माप के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। यह उपकरण संपूर्ण शिक्षण कार्य की शिक्षण कौशलों के आधार पर अवलोकन करता है।

**<u>तालिका शिक्षण कौशल के विभिन्न वर्गीकरण का वितरण</u>**

| क्रम संख्या | वर्गीकरण | कुलआइटम |
|---|---|---|
| 1 | योजना | 4 |
| 2 | प्रस्तुतीकरण | 11 |
| 3 | समापन | 2 |
| 4 | मूल्यांकन | 2 |
| 5 | प्रबंधन | 2 |
| | कुल | 21 |

विभिन्न शिक्षा कौशलों में शामिल पाठ के उद्देश्य, चयन, सामग्री, ऑडियो-वीजुअल सामग्री का चयन, पाठ परिचय, प्रश्न प्रवाह जांच का उपयोग, उदाहरणों के साथ व्याख्या करना, मूल्यांकन, कक्षा अनुशासन, प्रबंधकीय कौशल आदि के परीक्षण में मापा गया है□

**<u>शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी</u>**

- मध्यमान
- प्रमाणिक विचलन मानक विचलन
- टी अनुपात

**<u>आंकड़ों का वर्गीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या</u>**

**1.शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता के मध्य अंतर का अध्ययनकरना□**

**$H^1_0$ शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।**

**तालिका 1.1 शिक्षकों तथा शिक्षकों के अध्यापन दक्षता का अध्ययन लिंग क्रांति का अनुपात अध्यापक दक्षता शिक्षक शिक्षिका मध्यमान प्रमाणिक विचलन।**

| अध्यापन दक्षता | लिंग | | | | क्रांतिक अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|
| | शिक्षक | | शिक्षिकाए | | |
| | मध्यमान | प्रमाणिक विचलन | मध्यमान | प्रमाणिक विचलन | |
| | 87.51 | 16.26 | 92.84 | 14.75 | 3.42 |
| DF= N1+N2-2 | 200+200-2=398 | | t0.05=1.97 | | |

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात है कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों (N=200) अध्यापन दक्षता के आंकड़ों से मध्यमान का मान 87.51तथा मानक विचलन 16.26 प्राप्त हुआ तथा माध्यमिक विद्यालयों केशिक्षिकाओ (N=200) की अध्यापन दक्षता के मापन से प्राप्त आंकड़ों द्वारा मध्यमान 92.84 तथा प्रमाणिक विचलन 14.75 की गणना प्राप्त है।उपर्युक्त आंकड़ों से माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओ की अध्यापन दक्षता की गणना करने पर प्राप्त मूल्यों से टी-मूल्य 3.42 ज्ञात हुआ है जो 0.05 (95%) सार्थकता स्तर पर 398 तालिका मूल्य 1.97 से अधिक है, जिससे यह प्रदर्शित होता है कि ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की अध्यक्षता में सार्थक भिन्नता है।

अतः हमारी शून्य परिकल्पना "शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की अध्यापन दक्षता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है"अस्वीकृत की जाती है और हमारी शोध परिकल्पना स्वीकृत हो जाती है। जो यह प्रदर्शित करती है कि शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की अध्यापक दक्षता में भिन्नता है।

**1.ग्रामीण तथा शहरी विद्यालय के शिक्षकों की अध्यापन दक्षता के मध्य अंतर का अध्ययन करना।**

**$H_0^2$ग्रामीण तथा शहरी विद्यालय के शिक्षकों की अध्यापक दक्षता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।**

**तालिका 2.1 ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की अध्यापक दक्षता का अध्ययन**

| अध्यापन दक्षता | विद्यालयकाप्रकार | | | | T value |
|---|---|---|---|---|---|
| | **ग्रामीण(N 200)** | | शहरी(N=200) | | |
| | मध्यमान | प्रमाणिक विचलन | मध्यमान | प्रमाणिक विचलन | |
| | 87.58 | 14.98 | 92.77 | 16.07 | 3.34 |
| DF= N1+N2-2 | 200+200-2=398 | | t0.05=1.97 | | |

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों 400 के न्यादर्श में अध्यापन दक्षता के आंकड़ों को एकत्र करने पर 200 ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों का माध्य 87.58 एवं मानक विचलन 14.98 तथा 200 शहरी शिक्षकों के माध्य 92.77 एवं विचलन 16.07 से टी -मूल्य 3.34 प्राप्त हुआ है । यह मूल्य 0.05 (95%) सार्थकता स्तर पर जांच करने से 398 स्वतंत्रता अंश पर प्राप्त टी तालिका मूल्य 1.97 से कम है ।जो यह प्रदर्शित करता है कि माध्यमिक स्तर के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के शिक्षको के अध्यापन दक्षता के मध्य सार्थक अंतर / भिन्नता हैं।

अतः शून्य परिकल्पना "ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की अध्यापक दक्षता में कोई सार्थक अंतर नहीं है" अस्वीकृत हो जाती है जो यह प्रदर्शित करती है कि ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की अध्यापन दक्षता में पर्याप्त भिन्नता देखी जाती है।

## निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षक की अध्यापन दक्षता के विभिन्न विभाओ पर शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की दक्षता में कोई भिन्नता पाई गई इससे यह ज्ञात होता है कि लिंग के आधार पर शिक्षकों की अध्यापन दक्षता में समानता है तथा शिक्षिकाओ की अध्यापन दक्षता शिक्षकों से उत्तम है जिसका प्रयोग कक्षा शिक्षण में किया जाता है ।और दोनों के कौशल ज्ञान व प्रयोग में भिन्नता पाई गई दूसरी तरफ ग्रामीण व शहरी विद्यालय क्षेत्र के आधार पर अध्ययन करने पर पाया गया है कि ग्रामीण तथा शहरी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता में पर्याप्त भिन्नता देखी जाती है शहरी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों में अध्यापन दक्षता ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से अधिक है यह कहा जा सकता है शहरी क्षेत्रों के शिक्षक ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों से अधिक दक्ष है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन भावी अध्यापकों प्रबंधकों तथा अन्य नियोजन कर्ताओं को शिक्षक की अध्यापक दक्षता के विभिन्न घटकों जैसे सूक्ष्म शिक्षण, अनुकरणीय शिक्षण, पाठ नियोजन, पाठ प्रस्तुतीकरण, समापन, मूल्यांकन तथा कक्षा प्रबंधन आदि अवसरों के व्यवहारिक अनुभव प्रदान करेगा नीति निर्माताओं व शिक्षकों एवं नियोजन कर्ताओं द्वारा अध्यापन कौशल विकास के लिए विभिन्न तकनीकों के प्रयोग तथा विभिन्न स्तरों के अभिविन्यास कार्यक्रम को लागू करने में सहायक होगा। सेवा पूर्व व सेवाकालीन प्रशिक्षण के अंतर्गत शिक्षकों की दक्षताओ और आवश्यकताओं के समुचित कौशलों में सुधार किया जा सकेगा तथा शिक्षकों की संस्थाओं को उचित दिशा देकर यथोचित अध्यक्षता को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

## संदर्भ

खान,एस. ए.(2015), टू स्टडी द रिलेशनशिप बिटवीन टीचिंग कंम्पीटेन्सी एंड एटीट्यूड टुवर्ड्स क्रिएटिव टीचिंग ऑफ बी.एड ट्रेनीज इन औरंगाबाद सिटी, एम.आई.ई.आर. जर्नल ऑफ एजुकेशनल ट्रेंड्स एंड वॉल्यूम 5 संख्या - 2 पृष्ठ- 245 – 242

धर एन एवं शर्मा ए. (2016) “ए स्टडी ऑफटीचर इफेक्टिवनेस एमंग मेल एण्ड फीमेल टीचर्स टीचिंग इन जवाहर नगर नवोदय विद्यालय ऑफ प्रोक्सिरसियन जर्नल ऑफ साइकोलाजी एण्ड एजुकेशन बॉल्यूम 49 नO 1-2 पी. पी. 8-21

सिंह, जनक 2017, “इस्पेक्ट ऑफ इमोशनल इंटेलीजेन्स ऑन टीचर एज्यूकेटर्स इफेक्टीवनेस, आई. जे. ए. आर. आई.आई.ई. वॉल्यूम - 3, इश्यू -4, पी.पी. 23332347

माथुर, एस. आर.(2016), अंडरस्टैंडिंग अर्बन टीचर्स, परसेप्शनस्फार प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन क्लासरूम मैनेजमेंट जनरल, ऑफ़ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, वॉल्यूम 3 नंबर 1.155N2330-9709

- खान, ए.(2017), प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ इंग्लिश टीचर इन मुंबई: द पोटेंशियल ऑफ इनोवेटिव प्रैक्टिस अंडर स्क्रुटनी, ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ़ टेक्नोलॉजी,33 (4)
- पाल, संजीव (2017) : सेवारत एवं सेवापूर्व अध्यापकों के शिक्षण दक्षता एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन, शोध प्रपत्र शैक्षिक शोध पत्रिका, शैक्षिक शोध संस्थान लखनऊ वर्ष 28 अंक 2

आदिल, हितेशवरी (2019), शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का उनके व्यवसाय विकास एवं शिक्षण दक्षता पर प्रभाव, शोधगंगा, जून-14,2021

वर्मा, कामिनी (2020), माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता पर उनकी सांवेगिक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के प्रभाव का अध्ययन Retrieved by

www.uok.ac.in pg no. 10 , 11

Yashawini, A.R, & Sarvamangala, D.R. (2022). A study of teacher effectiveness of secondary school teachers, Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, 9 (8) a 552 a 557, http://www.jetir.org/ papers / JETIR 2208071.Pdf

## संदर्भ ग्रंथ सूची


- गैरीट, एच.ई(2014),शिक्षा मनोविज्ञान में सांख्यिकी का प्रयोग,वेकिलस पब्लिकेशन, मुंबई
- अरोड़ा श्रीमती रीता: शिक्षण एवम अधिगम के मनोसामाजिक आधार 2015 शिक्षा प्रकाशन जयपुर, पृष्ठ संख्या. 326-327
- कपिल, एच.के.(2016),शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व विनोद, पुस्तक मंदिर आगरा
- भार्गव, महेश : आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण $ मापन) (2017) एच. पीभार्गव बुक हाउस आगरा पेज-463-64, 526
- कुलश्रेष्ठ एस. पी., “शिक्षा मनोविज्ञान" (2018) अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा,
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली
- पृष्ठ संख्या - 55,76,421.425
- Indian educational abstract(2019)National council of education research and training, New Delhi